डायमण्ड कॉमिक्स

D. 81 Rs. 15.00

चाचा चौधरी

और

शिकारी लकड़बग्घा सिंह

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

eHindiComics

शिकारी लकड़बग्घासिंह

शिकारी लकड़बग्घासिंह चाचा चौधरी के घर.

चाचाजी आप भी कैसी जगह रहते हैं जहां कोई जंगल ही नहीं.

यहां जंगल है.

कहां?

मैं आपको वहां तभी ले चलूंगा जब आप वायदा करें कि किसी जानवर को नहीं मारोगे.

मैं वचन देता हूं.

तो आओ मेरे साथ.

साबू, तुम भी चलो. ताजी हवा खा लेना.

यह रहा जंगल.

वाह! चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है.

वह रहा एक जंगली भैंसा.

लकड़बग्घा, तुमने तो किसी जानवर को न मारने का वचन दिया था.

कैसा वचन? कौनसा वचन? मुझे कुछ याद नहीं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

धांय

अरे! कमबख्त निशाना चूक गया.

भैंसा गुस्से से शिकारी की तरफ पलटा.

अरे, बंदूक में गोली खत्म? कारतूस भरने का समय भी नहीं.

टिक! टिक!

चाचाजी, बचाओ!

मिस्टर लकड़बग्घा! क्या, वचन याद आया या नहीं?

आ गया, अच्छी तरह से आ गया. लेकिन पहले इस भैंसे से मेरी जान बचाओ.

चाचा चौधरी अपनी पगड़ी खोलता है

चल मेरी पगड़ी दिखा कमाल!

पकड़ लिया!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे साधू, जरा आना मदद को. यह तो मुझे ही खींचे लिये जा रहा है.

आगा चाचाजी !

जरा मैं भी देखूं भाई कि तुझमें कितना दम है.

रुक गया ! भैंसा रुक गया !

बापरे ! इसे रोकना कितना मुश्किल था. चलो, जान बची लाखों पाए. पर वह कमबख्त लकड़बग्घा सिंह कहां चला गया ?

मैं यहां हूं चाचाजी अगर वह भैंसा चला गया हो तो मैं नीचे उतर आऊं ?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अनोखा जहाज

साबू बरसात का मौसम आ गया है. अब तू एक छतरी खरीद ले.

मैंने छतरी बना ली है.

मैं तो समझता था कि तू शरीर से ही लंबा-चौड़ा है, अक्ल कम है. परंतु अब तो तुझ में अक्ल भी आती जा रही है.

यह देखो. पैराशूट में तारें फिट करके बीच में एक बिजली का खंभा लगा दिया है.

वाह !

उधर शहर के एक भाग में ...

बचाओ ! बचाओ ! बाढ़ का पानी हमारे घरों में घुस गया है

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

बाढ़ का पानी बराबर बढ़ रहा है. अगर उन्हें निकाला न गया तो शीघ्र ही सैकड़ों लोग डूब कर मर जाएंगे, बेचारे. उफ़!

बचाओ!

बचाओ!

बचाओ!

क्या करें? हमारे पास नाव भी नहीं है. क्या मदद लेने दूसरे शहर जाएं?

जब तक हम मदद लेकर दूसरे शहर से लौटेंगे, तब तक बाढ़ का पानी उन सबको बहाकर ले जाएगा.

तो फिर क्या करें?

यहां पास ही चाचा चौधरी रहता है. चलो उसके पास चलें. वही कुछ करेगा.

चाचाजी, शहर का दक्षिणी भाग बाढ़ में डूब गया है. अगर शीघ्र ही मदद न पहुंचाई गई तो सब मर जाएंगे.

चलो, मैं चलकर देखता हूं.

© PRAN'S FEATURES

बचाओ!

बचाओ!

फिक्र मत करो. मेरे पास नाव नहीं, जहाज है. **साबू**! कूद जाओ पानी में!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

जय बजरंग बली !

आप सब लोग जल्दी से मेरी पीठ पर बैठ जाओ.

सब आ गए ? कोई रह तो नहीं गया ?

नहीं ! सब आ गए. अब तुम चलो.

पाचानी, ज्यादा बोझ से साबू डूब तो नहीं जाएगा?

अरे, वह तो इतने आदमी और लादकर ला सकता है.

वाह !

देखो, मेरा जहाज तुम्हारे सारे आदमी किनारे पर सुरक्षित ले आया.

धन्यवाद !

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दानव से टक्कर

रामू और श्यामू दो पाकेटमार समुद्र के किनारे घूम रहे थे.

रामू देख! वह बोतल तैर रही है.

लपक कर उठा लो. शायद उसमें कुछ माल मिल जाए.

अरे इसमें तो एक आदमी है. बाहर निकाल कर पूछता हूं कि वह क्या कहना चाहता है?

कार्क खोलते ही ...

हा-हा-हा! तुमने मुझे कैद से निकाला है. इस लिए तुम मेरे मालिक हो. तुम मुझे कुछ भी काम कह सकते हो. मैं उसे करूंगा.

रामू, हम इसे क्या काम कहें?

बेवकूफ, चाचा चौधरी हम पाकेटमारों और उठाई गीरों का दुश्मन है और उसकी असली ताकत है साबू! क्यों न हम इसे कहें कि ये साबू को खत्म कर दे.

कौन... साबू? हा-हा... उससे तो मुझे भी एक पुराना हिसाब चुकता करना है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

टुथपेस्ट की चोरी

चाय तैयार है.

ठहरो, पहले मैं टुथपेस्ट कर लूं.

अरे! यहां से टुथ-पेस्ट ट्यूब कहां गयी?

पेस्ट खत्म हो गया होगा. ट्यूब किसी ने फेंक दी होगी.

पर कल ही मैं नयी लाया था. किसी नौकर ने ही चुरायी है.

सारे नौकर...

मेरी टुथपेस्ट किसने चुरायी है?

नहीं मालिक, हमने नहीं चुरायी.

बाजार से नयी लेकर आता हूं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

पेस्ट करने के बाद सेठ ट्यूब को वहीं पर रख देता है.

अगले दिन

अरे! आज फिर ट्यूब गायब?

इस तरह रोज ही ट्यूबें गायब होती रहीं.

बापरे! क्या करूं?

चाचा चौधरी के पास जाओ. वही कुछ हल निकालेगा.

ठीक है.

चाचा चौधरी के घर पर...

समस्या जटिल है. तुम्हारे घर चलता हूं

सेठ के घर.

मैं अपनी ट्यूब यहां रखता हूं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कमाल राकेट का

चाचाजी, आज दीवाली है. आओ पटाखे चलाएं.

वाह! इतने सारे पटाखे!

दूर हट जाओ यह बम चलने लगा है.

वाह! मजा आ गया.

धड़ाम

क्या धमाके की आवाज है!

खोट्ट और छोट्ट दो बदमाश...

खोट्ट, आज दीवाली है लोगों के पास खूब पैसा होगा.

क्यों न किसी आतिशबाजी वाले को लूटें. रुपये भी आएंगे और चलाने के लिए पटाखे भी मिलेंगे.

वाह! क्या आइडिया है!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

पुराना संदूक

एक दिन मुरली ने अपना कबाड़खाना खोला तो ...

क्यों न इस पुराने संदूक को बेच दे?

यह सदियों पुराना है और किसी काम का भी नहीं.

पर इसको खरीदेगा कौन?

चाचा चौधरी की पत्नि.

उसे बेवकूफ बनाना काफी आसान है

चाची, संदूक खरीदोगी?

एक हजार का

कितने का?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

ये तो बहुत महंगा है

यह जादुई संदूक है. जो रखोगी सोना बसा देगा.

सच! यह लो हजार रुपये.

लो भागवान! मैं वह कबाड़ी संदूक बेच आया हूं.

चाचा चौधरी के घर लौटने पर...

एक हजार में यह खरीदा है.

टूटा-फूटा संदूक हजार में?

मुरली कहता था इसमें जो रखोगे सोना बन जायेगा.

तुम ठगी गयीं.

अगर यह संदूक सोना बनाता तो मुरली खुद न लखपति बन जाता?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

फैंको इसे बाहर!
अरे! यह पुराना संदूक!
मिल गया! मुझे जिसकी तलाश थी, मिल गया.
मैं इसके एक लाख दे सकता हूं.
आपकी तारीफ?
एक इतिहासकार हूं. नेशनल म्यूज़ियम के लिये ऐतिहासिक वस्तुएं खरीदता हूं. यह संदूक शहंशाह अकबर के महल का है. यह लो एक लाख रुपये.
वाह भागवान! चलो इसी खुशी में तुम्हें साड़ी दिलाऊं
सचमुच तुम्हारा संदूक सोना बनाता है मुरली!
मर गये!

संपत चंपत

संपत सेठ मगनलाल के घर...

सेठजी, सौ रुपये उधार दे दो. शाम को डेढ़ सौ रुपये लौटा दूंगा.

सिर्फ एक दिन में सौ पर पचास का फायदा!

संपत, यह लो सौ रुपये!

बेवकूफ सेठ लालच में आकर सौ रुपये भी गंवा बैठा.

शाम को...

एंड कं०

अरे संपत! तू सौ रुपये ले गया था, वह कब लौटायेगा?

कौन सा रुपया? मैंने कुछ नहीं लिया.

देखो भाईयो! यह संपत आज मुझसे सौ रुपये ले गया था अब मुकर रहा है.

कौन संपत? मैं चंपत हूं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

देखो भाईयो, मेरा नाम हाथ पर मशीन से लिखा हुआ है.

ठीक तो है. सेठ, क्यों भले आदमी को परेशान कर रहे हो?

संपत

दूसरे दिन चंपत एक आदमी के साथ.

मुझे सौ रुपये उधार दे दो. शाम को डेढ़ सौ दे दूंगा.

लो भाई, चंपत.

ब्याज के चक्कर में मूल भी खो बैठा.

शाम को...

चंपत रुपये कब लौटाओगे?

कौन चंपत?

मेरा नाम चंपत नहीं, संपत है. खो मशीन से लिखा है. मैंने तुम्हें कुछ नहीं देना.

संपत

ठगा गया. चाचा चौधरी के पास चलना चाहिये.

चंपत सौ रुपये ठगकर ले गया.

मेरे भी.

तुम जाओ और मुझे सोचने का मौका दो.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

उनके जाने के बाद...

चाचाजी, सौ रुपये दे दो. शाम को डेढ सौ लौटा दूंगा.

यह लो. पर यह तो बताओ, तुम्हारा नाम क्या है?

संपत.

मुझे इसको पीछा करना चाहिये.

चंपत, मैं आजचाचा चौधरी को ठग कर आरहा हूं.

हा-हा! यह कमाई का अच्छा धंधा है.

हू! तो ये है चंपत-संपत का राज!

अरे!

मारे गये!

चलो, लौटाओ सब के पैसे!

ये चंपत-संपत जुड़वां भाई हैं. हमशक्ल होने का फायदा उठा कर लोगों को ठगते फिरते हैं.

लो अपने रुपये.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

बचाना अंतरिक्ष यात्री को

चाचा चौधरी कई दिनों तक ज्यूपिटर पर साबू के साथ रहा. आखिर एक दिन...

साबू, चलो अब घर चलें.

क्यों चाचाजी?

अच्छी बात है. अब हम वापस चलते हैं.

क्या ज्यूपिटर की जिंदगी अच्छी नहीं लगी?

नहीं, ये बात नहीं. यहां लोगों ने मेरा जो आदर-सत्कार किया है, मैं उसे भूल नहीं सकता. परंतु अपना देश आखिर अपना देश ही है.

और राकेट चाचा चौधरी और साबू को लिए ज्यूपिटर से चल दिया.

वह तो फुटबाल जैसी लग रही है.

साबू, वह देखो. वह रही हमारी पृथ्वी.

दूर से पृथ्वी ऐसे ही दिखाई देती है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

तभी...

साबू, वह देखो सामने!

कोई भटका हुआ अंतरिक्ष यात्री लगता है. उसकी मौत निश्चित ही लगती है, चाचाजी.

हमें उसे बचाना चाहिए, साबू.

नामुमकिन! जो कोई उसे बचाने राकेट से बाहर जाएगा, वही अंतरिक्ष में खो जाएगा.

मुझे एक तरकीब सूझी है.

क्या?

ये पगड़ी हमेशा आड़े वक्त काम आई है, आज भी हमारी मदद करेगी. इसका एक सिरा तुम्हारे पांव से, दूसरा राकेट से बांध देते हैं. तुम फिर अंतरिक्ष में खो नहीं सकते.

ठीक है.

अंतरिक्ष में...

पगड़ी काफी लंबी है. मैं उस अंतरिक्ष यात्री तक पहुंच जाऊंगा.

आह.! आ गया काबू में!

वापस राकेट के अंदर.

साबू यह बेहोश है. इसे तुरंत आक्सीजन दो.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

आक्सीजन देने से अंतरिक्ष यात्री होश में आता है.

मैं कहां हूं ?

घबराओ नहीं, हम तुम्हारे मित्र हैं. तुम अंतरिक्ष में कैसे भटक गए ?

मैं अमरीकन हूं. मेरा नाम जानसन है. दूसरे साथियों के साथ राकेट द्वारा अंतरिक्ष में आया. मौसम अनुसंधान के लिये राकेट से बाहर निकला. मैं जिस रस्सी से बंधा था, घूमते हुए खुल गई. कुछ देर तो आक्सीजन के सहारे अंतरिक्ष में भटकता रहा, फिर वह भी खत्म हो गई.

फिक्र मत करो जानसन, हम शीघ्र ही पृथ्वी पर सुरक्षित पहुंच जाएंगे.

पृथ्वी पर.

चाचाजी, आपका यह राकेट जरूरत से कुछ ज्यादा बड़ा है.

वह इसलिए कि साबू जैसा आदमी भी इसमें बैठ सके.

अरे, तुम लोग दो गए थे और तीन लौट रहे हो?

भागवान, तुम नहीं समझ सकोगी.

बस यूं समझ लो कि अंतरिक्ष में घूमते हुए ये मिल गए और हम इन्हें साथ ले आए.

अब जल्दी से इनके लिए एक कटोरा भर कर लस्सी का, मक्खन डाल कर ले आओ.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कीमती हीरा

चाचा चौधरी और दीपू किसी पहाड़ी शहर में सैर करने आये हैं

चाचाजी आप जरा घूमकर आओ. तब तक मैं इस तरफ टहल कर आता हूं.

अच्छी बात है.

थोड़ी दूर जाने पर...

अहा, हीरा! यह जरूर कीमती हीरा है.

तभी पीछे से एक अजनबी आता है.

यह हीरा मेरे हवाले कर दे छोकरे! नहीं तो मार मार कर भुर्ता बना दूंगा.

इस हीरे को बेचकर मैं लाखों कमाऊंगा. पर इसे छोड़ा तो शोर मचा कर लोगों को जमा कर लेगा

ठग ने दीपू को कोठरी में बंद कर दिया.

अब इसे कोई बाहर नहीं निकाल सकता.

खोलो! खोलो!

मैं बाजार जाकर हीरे को बेच आता हूं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे खोलो!

अरे! यह तो दीपू की आवाज लगती है.

मास्टर चाबी यहां काम आयेगी... लो, ताला खुल गया.

दीपू!

पहले बदमाश को पकड़ो.

वह मेरा कीमती हीरा ले गया है. जल्दी करो, उस बदमाश को पकड़ो. वह कार से भागने वाला है.

अब मुझे कोई नहीं पकड़ सकता.

© PRAN'S FEATURES

दीपू, आओ. इस डाली पर बैठकर हम उसका पीछा करते है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

सड़क टेड़ी-मेढ़ी है. हम उसे जल्दी पकड़ लेंगे.

वह रहा ठग! अब हम करीब करीब उसके सिर के ऊपर ही हैं.

तभी ट्राली की तार टूट जाती है.

अरे! यह क्या?

धड़ाम

हाय!

ओह! मेरे दांत टूट गये.

यह लो अपना हीरा. अब मैं कभी बच्चों से चीज नहीं छीनूंगा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

छत्ते का महत्व

काम करके काफी थक गया हूं. जरा अहाते में सुस्ता लूं.

ओह!

क्या हुआ साबू ? तेरी चीख सुनकर मुझे बाहर आना पड़ा.

मधुमक्खी ने मुझे काट लिया है. मैं अभी ये छत्ता उखाड़कर बाहर फैंक देता हूं.

ऐसा न करना. मधुमक्खी के बड़े फायदे हैं. इसके छत्ते से हमें शहद मिलता है जो कई बीमारियों को दूर करने में काम आता है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

आ मेरे साथ. वैद्यजी से तेरे सिर पर दवाई लगवा देते हैं.

लोटन ! साबू और चाचा चौधरी बाहर चले गए हैं. चाची घर में अकेली है. चोरी करने का इससे अच्छा मौका और नहीं मिलेगा.

ठीक है.

अर्र-र-र! कौन...? बचाओ !

चुप ! जरा भी आवाज निकाली तो गला घोट कर मार देंगे.

कस कर बांध दो ताकि यह किसी को मदद के लिये न बुला सके.

सारे संदूक उठाकर ले चलो.

इनमें काफी सामान है. हम मालामाल हो गए !

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अब जल्दी भाग चलो.

टक्कर

ओह! यह क्या?

बाप रे, मधुमक्खियां!

चाचा चौधरी और साबू लौटते हैं...

साबू, देखो, दो चोर हमारे घर से भाग रहे हैं.

अच्छा? मैं अभी उनकी खबर लेता हूं.

तुम्हारी जरूरत नहीं. मधुमक्खियां ही उनकी खबर ले रही हैं.

हां-हा, यह उनका एक और फायदा है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चौधरी-चौधरी
भाई - भाई

विदेशी जासूस.

शेखू! आज दशहरा है. यह बम फटना चाहिये.

रावण के बुत में यह बम चुपके से रख देना. जब उसे आग लगेगी, यह फट जायेगा और सैंकड़ों लोग मर जायेंगे.

बेवकूफ! बम को छिपा कर ले जा.

बम को पगड़ी में रख लेता हूं.

अब मुझ पर कोई शक नहीं करेगा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चाचा चौधरी..

आज मेरी खोपड़ी में खुजली हो रही है.

अपनी चांद में थोड़ा तेल मल लीजिये.

तू नहीं समझता. जब मेरे सिर. खुजली होती है तो यह संकेत है कि कहीं गड़बड़ होने वाली है.

मैं चला.

इतने बड़े शहर में यह कैसे पता चलेगा कि कहां आपकी आवश्यकता है?

आज दशहरा है. गड़बड़ भीड़ वाले इलाके में ही होती है.

रामलीला मैदान..

आओ, हम यहां चौंकन्ने होकर खड़े हो जायें.

जासूस रामलीला मैदान में पहुंचा.

अरे, रावण के बुत के पास तो पहरा दिया जा रहा है. उसे यहां से खिसकाने के लिये एक ट्रिक याद आयी.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे, लगता हैं आप को कहीं देखा हैं. क्या-नाम हैं आप का ?

चाचा-चौधरी!

मैं शेखू-चौधरी. चौधरी-चौधरी- भाई भाई ! आओ गले लग जायें.

शेखू-चौधरी, जब हम किसी को भाई बनाते हैं तो पगड़ियां बदल लेते हैं. आओ, एक दूसरे की पगड़ी...

अर्र-र-र

अरे! बम!

बोल! यह बम यहां किसलिये लाया था?

बोल!

बताता हूं, ... मैं विदेशी जासूस हूं.

तड़ाक!

चाचाजी, आप ने हजारों लोगों की जान बचा ली.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साबू की चाय

अरे भाई साबू, क्या बात है? आज कुछ सुस्त दिखायी दे रहे हो.

कुछ ठंड लग रही है, चाचाजी.

गरम गरम चाय पी लो. सुस्ती और ठंड दोनों भाग जायेंगी.

मैं अभी चाय बनाकर लाती हूं.

कुछ ही देर के बाद...

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

जल्दी लाओ भागवान!

हा-हा-हा! मेरे लिये इतने छोटे कप में चाय! कोई बड़ा बर्तन लाओ.

कुछ देर के बाद.

लो! भैंसों को पानी देने वाले टब में लायी हूं. अब तो काफी हैं न?

है तो यह भी छोटा. पर खैर, पी ही लेता हूं.

दस लिटर दूध और चार किलो चीनी तुम्हारी चाय में खर्च हो गयी. यह राशन का जमाना है. कैसे चलेगा यह खर्च?

मैं काम करूंगा. मुझे काम दो.

अच्छी बात है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मैं काम ढूंढने जा रहा हूं.

जंगल में एक आदमी रो रहा है.

क्यों भाई, क्या हुआ ?

एक ठेकेदार से एक हजार रुपये में इस जंगल के सारे पेड़ एक दिन में काटने का तय हुआ था. शाम होने को है और एक भी पेड़ नहीं कटा.

मैं तुम्हारे सारे पेड़ कटवा देता हूं. मुझे आधे पैसे दे दोगे?

मंजूर है.

लो, भाई साबू ! दस मिनट में यह जंगल काट दो.

अभी लो.

और साबू का कुल्हाड़ा पेड़ों को गाजर-मूली की तरह काटने लगा.

लो सारा जंगल साफ कर दिया.

साबू, तुम्हारी आज की रोटी के पैसे बन गये !

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

किताबों की चोरी

पब्लिक लायब्रेरी के डायरेक्टर

आइये, डायरेक्टर साहब ! कैसे आना हुआ ?

चाचाजी, कुछ दिनों से हमारी लायब्रेरी की किताबें चोरी हो रही हैं. चालाक चोर इस सफाई से चोरी करता है कि किसी को कुछ पता नहीं चलता.

अब तक लायब्रेरी की आधी से ज्यादा किताबें चोरी जा चुकी हैं. चोर को पकड़ने के लिये आप कुछ करिये

डायरेक्टर साहब, आप निश्चिंत होकर जाइये. चोर पकड़ा जायेगा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दूसरे दिन .

अजी, किधर चल दिये ?

किताबों की दुकान खोलने.

लगता है तुम्हारे चाचा का दिमाग फिर गया है.

चाचाजी जो भी करते हैं उसमें कुछ न कुछ राज़ होता है

चाचा चौधरी की दुकान

होटल

यहां पुरानी किताबें खरीदी और बेची जाती हैं .

कुछ ही देर में ...

ए भाय! यह पुरानी किताब खरीदोगे?

अरे! इस पर तो लायब्रेरी की मोहर लगी है. जरूर चोरी की ही होगी.

मैं इस किताब के नौ रुपये दूंगा. दूसरे यह से ज्यादा नहीं दूंगा इसके.

लाओ!

पर इतने पैसों से तुम्हारा क्या बनेगा? और माल लाओ. हजारों का हिसाब-किताब करेंगे.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

eHindiComics

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कलवा ग्वाले की डेयरी.

अरे कलवा, ये दूध है या गंगाजल?

जरा मुंह संभाल कर बात करो साहब!

साफ नजर आ रहा है कि तुमने दूध में पानी मिलाया है.

हम तुमका बर्तन समेत उठा कर फैंक देवेंगे.

अरे भाई, सवेरे-सवेरे क्यों झगड़ रहे हो?

चाचाजी, यह कलवा दूध में पानी मिलाकर सबकी आंखों में धूल झोंकता है.

हम दूध में पानी नांही मिलावत हैं.

तो फिर पानी में दूध मिलाते होगे?

आज जाओ, कलवा से कल निपटेंगे.

ठीक है.

कलवा, ले मेरा तोता एक दिन के लिये तू अपने पास रखले.

ओ लल्लू की मां, चौधरी हमका तोता दे गवा है, यह.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दूसरे दिन...

ओ लल्लू की मां! आज हमने एक बाल्टी दूध में चार बाल्टी पानी मिलाया है.

अरे! अगर किसी को पता चल गया तो?

हमारे तुम्हारे सिवाय तीसरा और है ही कौन यहां?

हां भई कलवा, आज दूध में कितना पानी मिलाया?

देखो चौधरी, हमको सुबह-सुबह गुस्सा मत दिलवाओ!

अभी पता चल जाता है. क्यों मियां मिट्ठू, आज तुमने कलवा से कौनसा पाठ सीखा?

ओ लल्लू की मां! आज हमने एक बाल्टी दूध में चार बाल्टी पानी मिलाया है

माफ कर दो, चौधरी! हम अपनी कसूर मानत हैं. अब हम कभी दूध में पानी नांही मिलायेंगे.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

सुखीराम दुखीराम

चाचाजी, दुनिया में सुखी कौन है और दुखी कौन है?

सुखी वही है जो मन से सुखी है. बाकि सब दुखी हैं.

बड़े महलों वाले दौलतमंद कैसे दुखी हो सकते हैं? वे तो पैसे से सबकुछ खरीद सकते हैं.

तुम्हारी समझ में ऐसे नहीं आयेगा. आओ मैं तुम्हें समझाऊं.

ehindicomics

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कुछ दूर जाने पर

ऊं ऊं ऊं

अरे, यह किसके रोने की आवाज है?

यह तो कंजूसीराम है.

तुम्हें क्या तकलीफ है? नोटों के ढेर पर बैठे रहते हो तुम.

यही दौलत तो मेरे दुख का कारण है. दिन-रात नोटों के ढेर पर बैठा रहता हूं कि कहीं इसे चोर न चुरा लें.

इन्हें बैंक में जमा करा दो.

न-न! यह काले धन की कमाई है. वहां से चोर न सही इंकमटैक्स वाले ले जायेंगे

देखा! इतनी दौलत होते हुये भी कंजूसीराम खुश नहीं है.

कहो जम्बो पहलवान, तुम क्यों उदास हो? कहते हैं तंदरुस्ती हजार नियामत है

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

महंगाई बढ़ती जा रही है और खुराक घटती जा रही है. यही हाल रहा तो एक दिन कुछ भी नहीं मिलेगा और मैं दुबला हो जाऊंगा.

देखा! यह हट्टा-कट्टा पहलवान भी खुश नहीं. आओ अब और आगे बढ़ें.

मौजी राम, क्यों उछल रहे हो? लाटरी निकल आयी क्या?

अजी कहां? लाटरी का टिकट खरीदने लायक पैसे मेरे पास कहां? रोज इतना कमाता हूं कि रूखी-सूखी मिल जाये और लम्बी तान कर सो सकूं, बस.

तो तुम्हारी खुशी का रहस्य?

सूखी रोटी हलवा-पूड़ी समझ कर खाता हूं, मस्ती से दिन गुजारता हूं.

देखा! मौजीराम मन से सुखी है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/